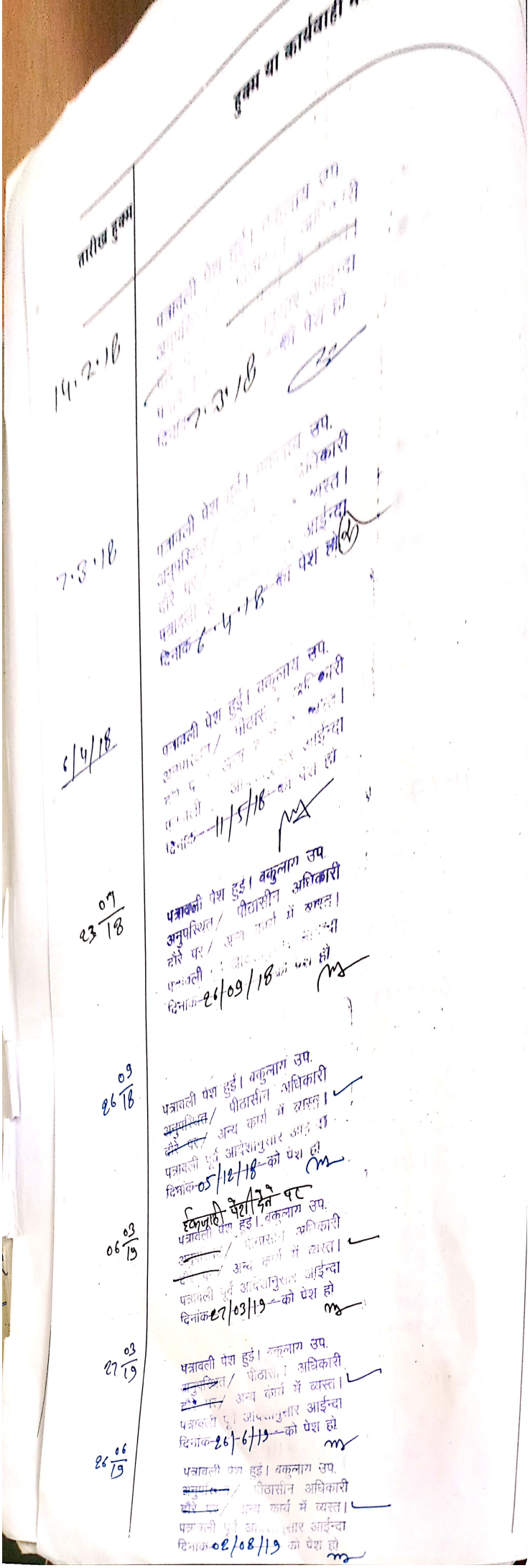

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही म... |
| --- | --- |
| 14.2.18 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 7.3.18 को पेश हो |
| 7.3.18 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 6.4.18 को पेश हो |
| 6/4/18 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 11/5/18 को पेश हो |
| 23/07/18 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 26/09/18 को पेश हो |
| 26/09/18 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 05/12/18 को पेश हो |
| 06/03/19 | इकजाही पेशी हेतु पट<br>पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 27/03/19 को पेश हो |
| 27/03/19 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 26-6-19 को पेश हो |
| 26/06/19 | पत्रावली पेश हुई। वकुलाग उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 02/08/19 को पेश हो |

Scanned by CamScanner

| हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए |
|---|---|---|
| 02/08/19 | पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 25/10/19 को पेश हो। | |
| 25/10/19 | पत्रावली पेश हुई। वादी अधिवक्ता अनुपस्थित। पत्रावली में आवश्यक पैरवी की हिदायत दी गयी। पत्रावली दिनांक 06/11/19 को पेश हो। | |
| 06/11/19 | पत्रावली पेश हुई। वादी पक्ष अनुपस्थित। प्रा० पत्र टी० आई० से संबंधित मूल वादपत्र खारिज किया जा चुका है। प्रा० पत्र टी० आई० में आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। अतः प्रा० पत्र टी० आई० इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। | |

Scanned by CamScanner